सं भो विव/एफ ही त/75-87/46735.—बूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं केपीटल रब्बड़ एण्ड प्लास्टिक वर्कस 12-ए, ब्रौद्योगिक क्षेत्र फरीदाबाद न्यू टाऊन, के श्रीमक श्री राम ब्रशीस मार्फ्त फरीदाबाद कामगार यूनियन 2/7 गोपी कालोनी पुराना, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकी है मह्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के संबंध में कोई भौबोगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित भौद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अवता विवाद से सुसंगत या सर्ववित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री राम ग्रशीय में स्वयं गैरहाजिर हो कर नीकरी पर से लियन खोय। है या उसकी सेवाएं समाप्त की गई है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्थरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं बो बिव /एफ० डी न / 75-87 / 46745.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं क कैपीटल रब्बड़ एण्ड द्वास्टिक वर्कस 22-ए, बौद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद न्यू टाऊन, के श्रीमिक श्री घन पाल मार्फत फरीदाबाद काममार यूनियन, 2/7 नीपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई मौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय ममझते हैं;

इसलिये, ग्रब, श्रीद्योगिक विवाद ग्रियिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) क खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई ग्रावितयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रीविनयम की धारा 7 क के ग्राग्नीन गरिन्त भीद्योगिक ग्रीविकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त अबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं प्रथवा विवाद से सुसंगत या संबन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एव पचाट 3 मास में देने हतु निर्दिष्ट करते हैं --

क्या श्री धन पाल ने स्वयं गैरहाजिर हो कर नौकरी पर से लियन खोया है या उसकी सेवाएं समाप्त की गई है ? इस विन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं० भ्रो० वि०/एफ०डी०/75-87/46752.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० कैपीटल रब्बड़ एण्ड व्लास्टिक वकंस 22-ए, भ्रोडोगिक क्षत्र, फरीदाबाद, न्यू टाऊन, के श्रमिक श्री भ्राशा राम मार्फत फरीदाबाद कामागार यूनियन, 2/7 गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौडोगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसजिए, प्रव, भौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के प्रधीन गठित भौद्योगिक प्रिक्षिकरण, हरियाणा, फरीदाबाट, को नीचे विनिर्दिष्ट मामने जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच था तो विवादयस्त मामना/मामने हैं प्रशाब विवाद में मुनंगन या सम्बन्धित मामना/मामने हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निविष्ट करते हैं:—

क्या श्री श्राणा राम ने स्वयं गैरहाजिर हो कर नौकरी पर से लियन खोया है या उसकी सेवाएं समाप्त की गई है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?